नई दिल्ली। शनिवार • 13 मार्च • 2021

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

130 करोड़ देशवासी आजादी
सेनानियों से प्रेरणा लेंगे तो भा

अनामिका और मोइली को साहित्य अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी ने हिंदी में कविता संग्रह के लिए अनामिका और कन्नड़ में महाकाव्य लिखने के लिए कांग्रेस नेता एम वीरप्पा मोइली को वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की शुक्रवार को घोषणा की।

साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने एक विज्ञप्ति में बताया कि अकादमी ने 20 भाषाओं के लिए अपने वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की है। अकादमी ने पुरस्कार देने के लिए सात कविता संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी संग्रह, दो नाटक, एक संस्मरण और एक महाकाव्य का चयन किया है।

राव ने बताया कि वीरप्पा मोइली को उनके महाकाव्य 'श्री बाहुलबली अहिमसादिग्विजयम' के लिए वर्ष 2020 का साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोइली कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। वह एक साहित्यकार भी हैं और उन्होंने कन्नड़ भाषा में कई उपन्यास लिखे हैं। उन्हें 2007 में मूर्तिदेवी और 2014 में सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

- अकादमी ने 20 भाषाओं के लिए अपने वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की
- मलयालम, नेपाली, ओड़िया और राजस्थानी भाषाओं में पुरस्कार बाद में घोषित किए जाएंगे

राव ने बताया कि हिंदी में 'टोकरी में दिगन्तः थेरीगाथाः2014' कविता संग्रह के लिए अनामिका को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी में अरुंधति सुब्रह्मण्यम को कविता संग्रह 'व्हेन गॉड इज ए ट्रैवलर' के लिए, जबकि उर्दू में हुसैन-उल-हक को उनके उपन्यास 'अमावस में ख्वाब' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मलयालम, नेपाली, ओड़िया और राजस्थानी भाषाओं में पुरस्कार बाद में घोषित किए जाएंगे।

सचिव ने बताया कि इन पुस्तकों को संबंधित भाषा के त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार के लिए चुना है। पुरस्कारों की अनुशंसा 20 भारतीय भाषाओं की निर्णायक समितियों द्वारा की गई तथा साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर कंबार की अध्यक्षता में आयोजित अकादमी के कार्यकारी मंडल की बैठक में शुक्रवार को इन्हें अनुमोदित किया गया। उन्होंने बताया कि पुरस्कार एक जनवरी 2014 से 31 दिसम्बर 2018 के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों के लिए देने का ऐलान किया गया है। राव ने बताया कि पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप एक उत्कीर्ण ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपए की राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पुरस्कारों के वितरण की तिथि अभी निर्धारित नहीं की गई है।

किसको किस भाषा में पुरस्कार

रचनाकार	भाषा
अनामिका	हिन्दी (कविता संग्रह)
वीरप्पा मोइली	कन्नड़ (महाकाव्य)
अरुंधति सुब्रह्मण्यम	अंग्रेजी (कविता संग्रह)
हुसैन-उल-हक	उर्दू (उपन्यास)
हरीश मीनाश्रु	गुजराती (कविता संग्रह)
आर.एस. भास्कर	कोंकणी (कविता संग्रह)
ईरुंगबम देवेन	मणिपुरी (कविता संग्रह)
रूपचंद हांसदा	संथाली (कविता संग्रह)
निखिलेश्वर	तेलुगु (कविता संग्रह)
नंदा खरे	मराठी (उपन्यास)
डॉ. महेशचन्द्र शर्मा गौतम	संस्कृत (उपन्यास)
इमाइयम	तमिल (उपन्यास)
अपूर्व कुमार सैकिया	असमिया (कहानी संग्रह)
धरणीधर औवारी (दिवंगत)	बोडो (कहानी संग्रह)
हृदय कौल भारती (दिवंगत)	कश्मीरी (कहानी संग्रह)
कमलकान्त झा	मैथिली (कहानी संग्रह)
गुरदेव सिंह रूपाणा	पंजाबी (कहानी संग्रह)
ज्ञान सिंह	डोगरी (नाटक)
जेठो लालवानी	सिंधी (नाटक)
शंकर (मणिशंकर मुखोपाध्याय)	बांग्ला (संस्मरण)

दैनिक जागरण

बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

ने के लिए नीट एक अगस्त को 06

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन बनाने वाली पहली भारतीय मिताली 18

अनामिका, कमलकांत व हुसैन को साहित्य अकादमी पुरस्कार

जासं, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी पुरस्कार-2020 के लिए नामों की घोषणा कर दी गई है। बिहार के खाते में तीन पुरस्कार आए हैं। हिंदी कविता संग्रह के लिए अनामिका को यह पुरस्कार दिया जाएगा। मैथिली के लिए मधुबनी के कमलकांत झा और उर्दू के लिए गया के हुसैन-उल-हक को पुरस्कार मिलेगा। खास बात ये है कि इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एम. वीरप्पा मोइली को भी चयनित किया गया है। उन्हें कन्नड़ महाकाव्य के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। युवा पुरस्कार व बाल साहित्य के लिए भी नामों की सूची जारी कर दी गई है। अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने बताया कि 20 भाषाओं के लिए सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, दो नाटक, एक संस्मरण और एक महाकाव्य का चयन हुआ है।

गौरवान्वित बिहार

- साहित्य अकादमी 2020 के पुरस्कारों की हुई घोषणा, बिहार के खाते में एक साथ आए तीन पुरस्कार
- हिंदी कविता संग्रह के लिए अनामिका मैथिली में कमलकांत व उर्दू उपन्यास के लिए हुसैन-उल-हक को पुरस्कार
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली को भी मिलेगा सम्मान, बाल साहित्य और युवा पुरस्कार के लिए भी हुई घोषणा

हिंदी

अनामिका। (कविता संग्रह : टोकरी में दिगंत : थेरीगाथा)

मैथिली

डॉ. कमलकांत झा। (लघुकथा : गाछ रूसल अछि)

उर्दू

हुसैन-उल-हक।(उपन्यास : अमावस का ख्वाब)

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने साहित्यकारों को दी बधाई

राज्य ब्यूरो, पटना: साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित होने पर राज्यपाल फागू चौहान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हिंदी कवयित्री अनामिका, मैथिली रचनाकार कमलकांत झा व उर्दू के साहित्यकार हुसैन उल हक को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि बिहार की बेटी को हिंदी का सर्वोच्च सम्मान मिलना देश की आधी आबादी को प्रेरणा प्रदान करेगा। बिहार से ताल्लुक रखने वाले तीनों रचनाकारों की उपलब्धि पर संपूर्ण बिहारवासियों को गर्व है। जल संसाधन व सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय झा ने मशहूर कवयित्री अनामिका तथा कहानीकार कमलकांत झा व हुसैन उल हक को बधाई दी है। संजय झा ने अपने ट्वीट में कहा कि आपकी कीर्ति निरंतर फैले और आप बिहार का मान बढ़ाते रहें।

कविता संग्रह के लिए पुरस्कार पाने वाली पहली महिला साहित्यकार अनामिका

बिहार की साहित्यकार हिंदी कवयित्री अनामिका मुजफ्फरपुर शहर के रज्जू साह लेन निवासी लेखक, कवि और बिहार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सह हिंदी विभागाध्यक्ष श्यामनंदन किशोर और आशा किशोर की पुत्री हैं। अनामिका को उनकी हिंदी कविता संग्रह 'टोकरी में दिगन्त : थेरीगाथा' के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हिंदी में कविता संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार पाने वाली ये देश की पहली महिला साहित्यकार हैं।

डॉ. कमलकांत झा को मैथिली कहानी 'गाछ रूसल अछि' के लिए मिलेगा पुरस्कार

मूल रूप से मधुबनी के कलुआही प्रखंड हरिपुर डेह टोला के रहने वाले डॉ. कमलकांत झा को मैथिली कहानी 'गाछ रूसल अछि' के लिए वर्ष 2020 का साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा हुई है। यह पुरस्कार उन्हें लघुकथा के लिए प्रदान किया गया है। रचना में पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधे के महत्व को बयां किया गया है। वे हिंदी लेखन भी करते रहे हैं। 1965 में डीबी कॉलेज, जयनगर में लेक्चरर के रूप में अपनी शिक्षण यात्रा की शुरुआत की थी।

उर्दू भाषा का पुरस्कार पाने वाले बिहार के पांचवें साहित्यकार हैं हुसैन-उल-हक

मगध विश्वविद्यालय में उर्दू विभागाध्यक्ष और प्रॉक्टर के पद पर रहे सासाराम में जन्मे 72 वर्षीय हुसैन उल-हक बिहार के पांचवें और गया के पहले साहित्यकार हैं जिन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला है। तीन दशक के बदलते परिवेश की कहानी पर आधारित कृति 'अमावस का ख्वाब' के लिए उन्हें यह पुरस्कार मिला है। गया के न्यू करीमगंज मोहल्ला निवासी लेखक के तीन उपन्यास के साथ ही सात कहानी संग्रह भी प्रकाशित हुए हैं।

संबंधित खबरें >> पेज 08

हिंदी के लिए अनामिका और कन्नड़ के लिए वीरप्पा मोइली को साहित्य अकादमी सम्मान

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने हिंदी में कविता संग्रह के लिए अनामिका और कन्नड़ में महाकाव्य लिखने के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली सहित 20 रचनाकारों को वर्ष 2020 के अकादमी सम्मान के लिए चुना है।

अकादमी ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। अरुंधति सुब्रमण्यम को अंग्रेजी कविता संकलन वेन गॉड इज अ ट्रैवलर के लिया दिया गया, वहीं मोइली को बाहुबली अहिंसादिग्विजयम महाकाव्य के लिए सम्मान मिला है। इस सूची में कविता की सात पुस्तकें, चार उपन्यास, पांच लघु कहानियां, दो नाटक और एक-

अनामिका

वीरप्पा मोइली

एक संस्मरण और महाकाव्य है। गुजराती में हरीश मीनाक्षी, कोंकणी में आरएस भास्कर, मणिपुरी में इरुंगबाम देवेन, संथाली में रूपचंद हांसदा, संस्कृत में महेशचंद्र शर्मा गौतम, मैथली में कमलकांत झा और अन्य हैं। एजेंसी

अंकित नरवाल को युवा और बाल स्वरूप राही को बाल साहित्य का अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने वर्ष 2020 के लिए शुक्रवार को 21 बाल और 18 युवा साहित्यकारों के लिए अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की। हिंदी में अंकित नरवाल को यूआर अनंतमूर्ति प्रतिरोध का विकल्प और अंग्रेजी में वाई दत्त को कमिंग आउट ऐज दलित के लिए युवा पुरस्कार मिला है। युवा पुरस्कारों के लिए दस कविता की पुस्तकों, तीन लघु कहानियों, दो लेख, एक संस्मरण, एक आलोचना और एक यात्रा वृत्तांत को शामिल किया गया है। इसबीच, बाल साहित्य पुरस्कार के लिए विनीता कोएल्हो को उनकी अंग्रेजी पुस्तक डेड ऐज डोडो के लिए चुना गया, जबकि हिंदी में संपूर्ण बाल कविताओं के लिए बाल स्वरूप राही को चुना गया है। एजेंसी

डॉ. अनामिका को हिन्दी का साहित्य अकादमी सम्मान

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने हिंदी में कविता संग्रह 'टोकरी में दिगन्तः थेरीगाथाः2014' के लिए डॉ. अनामिका को साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा की है। कन्नड़ में महाकाव्य 'श्री बाहुबली अहिमसादिग्विजयम' लिखने के लिए कांग्रेस नेता एम वीरप्पा मोइली को भी यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलेगा।

सचिव के श्रीनिवास राव ने बताया कि 20 भाषाओं के लिए वर्ष 2020 के पुरस्कारों की घोषणा की गई है। इनमें सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, दो नाटक, एक संस्मरण और एक महाकाव्य हैं।

संबंधित खबरें पेज 04,10

अंग्रेजी की प्रोफेसर अनामिका को हिंदी का साहित्य अकादमी पुरस्कार

उपलब्धि

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

साहित्य अकादमी ने शुक्रवार को वर्ष 2020 के साहित्य अकादमी पुरस्कार की घोषणा कर दी। अंग्रेजी प्रोफेसर अनामिका को वर्ष 2020 के लिए हिंदी का साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला है।

अनामिका को उनके कविता संग्रह 'टोकरी में दिगन्त : थेरी गाथा : 2014' के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही अनामिका हिंदी कविता संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित होने वाली पहली महिला कवयित्री बन गई हैं। अंग्रेजी की प्रोफेसर की हिंदी साहित्यिक यात्रा और सम्मान के बारे में पूछने पर अनामिक ने बताया कि अंग्रेजी भले ही उनकी शिक्षण की भाषा है, लेकिन हिंदी मातृभाषा यानी मां है। जिसकी गोद में बैठकर वह खेल सकती हैं और जिससे दूर नहीं रहा जा सकता है।

कविता संग्रह में क्या : साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित कविता संग्रह 'टोकरी में दिगन्त : थेरी गाथा : 2014' के बारे में 'हिंदुस्तान' के साथ हुई बातचीत में अनामिक ने बताया कि उनका कविता संग्रह गांव-देहात की महिलाओं का बुद्ध से काल्पनिक संवाद पर आधारित है। इसमें गांव-देहात की महिलाएं अपने दुःख और सुख बुद्ध के साथ साझा करती हैं, तो वहीं बुद्ध भी महिलाओं के साथ काल्पनिक संवाद करते हैं।

परिचय

नाम : अनामिका
जन्म : 17 अगस्त 1961
जन्मस्थल : मुजफ्फरपुर, बिहार
प्राथमिक शिक्षा : मुजफ्फरपुर
उच्च शिक्षा : डीयू से अंग्रेजी साहित्य से एमए, डीलिट और पीएचडी (अनामिका वर्तमान में डीयू के सत्यवती कॉलेज (सांध्य) में अंग्रेजी पढ़ाती हैं।)

अनामिका को उनके ऊर्जावान वर्षों में यह पुरस्कार मिलने जा रहा है। उनकी रचनाएं स्त्री की पीड़ा और विडंबनाओं को व्यक्त करती हैं। उन्हें पुरस्कार मिलना स्त्री विमर्श की जीत है। उनके विमर्श की विशेषता यह है कि वह स्त्रियों के पक्ष में बोलती हैं, लेकिन क्रोधित नहीं होती हैं। बल्कि मीठे तरीके से प्रतिवाद करती हैं। अनामिका से सीखना चाहिए।

– **ममता कालिया,** वरिष्ठ हिंदी साहित्यकार

योग्य व्यक्ति को यह पुरस्कार मिला है। हिंदी में यह स्मृति में भी नहीं था कि थेरी गाथा भी बची है। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से थेरी गाथाओं को जीवित करने के साथ ही दोबारा स्थापित किया है।

– **अशोक वाजपेयी**
वरिष्ठ हिंदी साहित्यकार

कई सम्मान मिल चुके : अनामिका हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं। उनकी अभी तक 20 से अधिक रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं। इसमें गलत पते की चिट्ठी, बीजाक्षर, अनुष्टुप, समय के शहर में, खुरदुरी हथेलियां दूब धान प्रमुख (कविता संग्रह) हैं। वहीं पोस्ट एलियट पोएट्री, स्त्रीत्व का मानचित्र, तिरियाचरित्रम, उत्तरकाण्ड, मन मांजने की जरूरत, पानी जो पत्थर पीता है आलोचना कृति हैं। एक ठो शहर, एक गो लड़की (शहरगाथा), प्रतिनायक (कहानी संग्रह), अवांतरकथा, पर कौन सुनेगा, दस द्वारे का पिंजरा, तिनका तिनके पास (उपन्यास) रिल्के की कविताएं, अटलांट के आर-पार (समकालीन अंग्रेजी कविता) उनकी प्रमुख रचनाएं हैं। उन्हें हिंदी कविता में अपने विशिष्टयोगदान के लिए राजभाषा परिषद् पुरस्कार, साहित्य सम्मान, भारतभूषण अग्रवाल एवं केदार सम्मान पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने 'श्री बाहुबली अहिमसादिग्विजयम' महाकाव्य लिखी, 2007 में मूर्तिदेवी और 2014 में सरस्वती सम्मान से हो चुके हैं सम्मानित

कन्नड़ में महाकाव्य लिखने के लिए वीरप्पा मोइली को मिलेगा पुरस्कार

नई दिल्ली | एजेंसी

कन्नड़ में महाकाव्य 'श्री बाहुबली अहिमसादिग्विजयम' लिखने के लिए एम वीरप्पा मोइली को वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया जाएगा।

बता दें मोइली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। वह साहित्यकार भी हैं। 2007 में उन्हें मूर्तिदेवी और 2014 में सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। अंग्रेजी में अरुंधति सुब्रह्मण्यम को कविता संग्रह 'व्हेन गॉड इज ए ट्रैवलर' के लिए जबकि उर्दू में हुसैन-उल-हक को उनके उपन्यास 'अमावस में ख्वाब' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

उपन्यास की श्रेणी में नंदा खरे (मराठी), डॉ. महेशचन्द्र शर्मा गौतम (संस्कृत), इमाइयम (तमिल) को सम्मान से नवाजा जाएगा। नाटक के लिए ज्ञान सिंह (डोगरी) एवं जेठो लालवानी (सिंधी) को नाटक के लिए और शंकर (मणिशंकर मुखोपाध्याय) (बांग्ला) को संस्मरण के लिए पुरस्कृत किया जाएगा।

कविता-संग्रहके लिए ये चुने गए : हरीश मीनाश्रु (गुजराती), ईरंगबम देवेन (मणिपुरी), रूपचंद हांसदा (संथाली), निखिलेश्वर (तेलुगु)।

पुरस्कार में एक लाख रुपये और ताम्रफलक मिलेगा

मलयालम, नेपाली, ओड़िया और राजस्थानी भाषाओं में पुरस्कार बाद में घोषित किए जाएंगे। पुरस्कार एक जनवरी 2014 से 31 दिसम्बर 2018 के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों के लिए देने का ऐलान हुआ है। पुरस्कारों के वितरण की तिथि अभी तय नहीं हुई है। विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप एक उत्कीर्ण ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपये की राशि दी जाएगी।

बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने वर्ष 2020 के लिए युवा पुरस्कारों और बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा शुक्रवार को की।

युवा पुरस्कारों की श्रेणी में हिंदी में अंकित नारवाल को आलोचना के लिए जबकि बाल साहित्य की श्रेणी में कविता के लिए बाल स्वरूप राही को पुरस्कृत किया जाएगा। अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने बताया कि साहित्य अकादमी ने 18 भाषाओं में अपने वार्षिक युवा पुरस्कार 2020 की घोषणा की है। कविता की 10 पुस्तकों, कहानी की तीन पुस्तकों, निबंध की दो पुस्तकों, संस्मरण की एक पुस्तक, आलोचना की एक पुस्तक और एक यात्रा वृत्तांत के लिए युवा साहित्यकारों को पुरस्कृत किया जाएगा।

अंग्रेजी की प्रोफेसर अनामिका हिन्दी कविता के लिए अकादमी सम्मान पाने वाली पहली महिला

गौरव

मुजफ्फरपुर | वरीय संवाददाता

साहित्य अकादमी ने शुक्रवार को वर्ष 2020 के साहित्य अकादमी पुरस्कार की घोषणा कर दी। अंग्रेजी प्रोफेसर अनामिका को वर्ष 2020 के लिए हिंदी का साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला है।

अनामिका को उनके कविता संग्रह 'टोकरी में दिगन्त : थेरी गाथा : 2014' के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही अनामिका हिंदी कविता संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित होने वाली पहली महिला कवयित्री बन गई हैं। अंग्रेजी की प्रोफेसर की हिंदी साहित्यिक यात्रा और सम्मान के बारे में पूछने पर अनामिका ने बताया कि अंग्रेजी भले ही उनकी शिक्षण की भाषा है, लेकिन हिंदी मातृभाषा यानी मां है जिसकी गोद में बैठकर वह खेल सकती हैं और जिससे दूर नहीं रहा जा सकता है।

इस सम्मान से मुजफ्फरपुर जिला ही नहीं पूरा सूबा गर्वित है। शहर और सूबे के साहित्यकारों एवं संस्कृतिकर्मियों में खुशी की लहर है। मुजफ्फरपुर में जन्मीं और पली-बढ़ीं अनामिका को साहित्य का सर्वोच्च सम्मान दिया जाना शहर सहित पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। ये दिनकर (मुजफ्फरपुर कर्मभूमि) और अरुण कमल के बाद बिहार की तीसरी साहित्यकार हैं, जिन्हें हिंदी के लिए साहित्य अकादमी सम्मान मिला है। डॉ. अनामिका को यह सम्मान मिलने के बाद एक बार फिर बिहार की सांस्कृतिक राजधानी कहलाने वाले शहर की गरिमा स्थापित हो गई है।

मुजफ्फरपुर के साहित्यकारों ने इसे अपने शहर और सूबे का सम्मान बताया है। डा. रमेश ऋतंभर, डा. पूनम सिंह ने कहा कि डॉ. अनामिका पर नाज है, जिन्होंने अपनी विशिष्ट मेधा एवं सृजनात्मकता से शहर को इतना बड़ा सम्मान बख्शा है। बधाई देने वाले लेखकों, साहित्यकारों व आलोचकों में डॉ.रेवती रमण, डॉ.रमेश ऋतंभर, डॉ.पूनम सिंह, डॉ.अंजना वर्मा, रामेश्वर द्विवेदी, डा. संजय पंकज, राकेश बिहारी, कविता, पंखुड़ी सिन्हा, श्रवण कुमार, डॉ.भावना, डॉ.आरती कुमारी, श्यामल श्रीवास्तव एवं पंकज कर्ण शामिल हैं।

20 से अधिक रचनाएं डॉ. अनामिका की अबतक हो चुकी हैं प्रकाशित

- मुजफ्फरपुर समेत सूबे के तमाम लेखकों साहित्यकारों, आलोचकों व कवियों में दौड़ी खुशी की लहर
- जिले ही नहीं सूबे का बड़ा गौरव, नवाजी जा चुकी हैं कई प्रतिष्ठित साहित्य सम्मान से

अनामिका की काव्य व गद्य कृतियों में कई अनमोल मोती

'अनिकेत' रज्जू साह लेन, हरिसभा चौक निवासी डॉ. अनामिका की काव्य-कृतियों में टोकरी में दिगन्त के अलावा गलत पते की चिट्ठी, बीजाक्षर, अनुष्टुप, खुरदुरी हथेलियाँ, दूबधान, एक कस्बाई लड़की की डायरी, पानी को सब याद था आदि प्रमुख हैं। गद्य कृतियों में स्त्रीत्व का मानचित्र, मन मांजने की जरूरत, पानी जो पत्थर पीता है (स्त्री विमर्श) के अतिरिक्त अवान्तर कथा, दस द्वारे का पिंजरा, तिनका तिनके पास, आईनासाज (उपन्यास), प्रतिनायक (कहानी), एक ठो शहर था, एक थे शेक्सपियर (संस्मरण) आदि प्रसिद्ध हैं।

परिचय

नाम : अनामिका
जन्म : 17 अगस्त 1961
जन्मस्थल : मुजफ्फरपुर, बिहार
प्राथमिक शिक्षा : मुजफ्फरपुर
उच्च शिक्षा : डीयू से अंग्रेजी साहित्य से एमए, डीलिट और पीएचडी
(अनामिका डीयू के सत्यवती कॉलेज (सांध्य) में अंग्रेजी पढ़ाती हैं।)

मां प्रोफेसर रहीं, पिता बीआरएबीयू के वीसी

डॉ. अनामिका शहर के उत्तर छायावाद दौर के काफी लोकप्रिय कवि-गीतकार एवं पद्मश्री सम्मान से विभूषित बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति व हिन्दी विभागाध्यक्ष तथा 'अँजनेय' आदि कई कृतियों के यशस्वी रचयिता डॉ. श्यामनन्दन किशोर की बेटी हैं। अनामिका की मां डॉ. आशा किशोर भी बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में हिन्दी विभागाध्यक्ष रहीं।

महिलाओं का बुद्ध से संवाद

साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित कविता संग्रह 'टोकरी में दिगन्त : थेरी गाथा : 2014' के बारे में 'हिंदुस्तान' के साथ हुई बातचीत में अनामिका ने बताया कि उनका कविता संग्रह गांव-देहात की महिलाओं का बुद्ध से काल्पनिक संवाद पर आधारित है। इसमें गांव-देहात की महिलाएं अपने दु:ख और सुख बुद्ध के साथ साझा करती हैं, तो वहीं बुद्ध भी महिलाओं के साथ काल्पनिक संवाद करते हैं।

अनामिका को उनके ऊर्जावान वर्षों में यह पुरस्कार मिलने जा रहा है। उनकी रचनाएं स्त्री की पीड़ा और विडंबनाओं को व्यक्त करती हैं। उन्हें पुरस्कार मिलना स्त्री विमर्श की जीत है। उनके विमर्श की विशेषता यह है कि वह स्त्रियों के पक्ष में बोलती हैं, लेकिन क्रोधित नहीं होती हैं। बल्कि मीठे तरीके से प्रतिवाद करती हैं। अनामिका से सीखना चाहिए।

– ममता कालिया, वरिष्ठ हिंदी साहित्यकार

योग्य व्यक्ति को यह पुरस्कार मिला है। हिंदी में यह स्मृति में भी नहीं था कि थेरी गाथा भी बची है। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से थेरी गाथाओं को जीवित करने के साथ ही दोबारा स्थापित किया है।

– अशोक वाजपेयी, वरिष्ठ हिंदी साहित्यकार

कई सम्मानों से अलंकृत

अनामिका हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं। उनकी अभी तक 20 से अधिक रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं। इसमें गलत पते की चिट्ठी, बीजाक्षर, अनुष्टुप, समय के शहर में, खुरदुरी हथेलियां दूब धान प्रमुख (कविता संग्रह) हैं। वहीं पोस्ट एलियट पोएट्री, स्त्रीत्व का मानचित्र, तिरियाचरित्रम, उत्तरकाण्ड, मन मांजने की जरूरत, पानी जो पत्थर पीता है आलोचना कृति हैं। एक ठो शहर, एक थी लड़की (शहरगाथा), प्रतिनायक (कहानी संग्रह), अवांतरकथा, पर कौन सुनेगा, दस द्वारे का पिंजरा, तिनका तिनके पास (उपन्यास) रिल्के की कविताएं, अटलांट के आर-पार (समकालीन अंग्रेजी कविता) उनकी प्रमुख रचनाएं हैं। उन्हें हिंदी कविता में अपने विशिष्ट योगदान के लिए राजभाषा परिषद् पुरस्कार, साहित्य सम्मान, भारतभूषण अग्रवाल एवं केदार सम्मान पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

पुरस्कृत कविता संग्रह 'टोकरी में दिगन्त : थेरी गाथा : 2014' पुस्तक का आवरण पृष्ठ।

साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार घोषित

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी ने शुक्रवार को बाल साहित्य पुरस्कार 2020 के लिए चयनित लेखकों की सूची को अनुमोदित कर दी। अकादमी के अध्यक्ष प्रो. चंद्रशेखर कंबार की अध्यक्षता में कार्यकारी मंडल ने 21 बाल साहित्य पुरस्कारों के लिए चयनित नामों की घोषणा की।

संस्कृत, मलयालम और तमिल भाषा के लेखकों के नाम की घोषणा बाद में की जाएगी। पुरस्कार स्वरूप प्रत्येक को 50 हजार की राशि और ताम्रफलक प्रदान किया जाता है।

- हिन्दी के लिए बालस्वरूप राही और उर्दू के लिए हाफिज कर्नाटकी का हुआ है चयन
- अकादमी ने 21 भाषाओं के लेखकों के नामों की घोषणा की
- तीन भाषाओं के लिए बाद में होगी घोषणा

हिन्दी के लिए इस वर्ष (वर्ष 2020) का बाल साहित्य पुरस्कार बाल स्वरूप राही को उनकी कविता 'संग्रह संपूर्ण बाल कविताएं' के लिए प्रदान किया जाएगा। उर्दू के लिए हाफिज कर्नाटकी की कृति 'फख्र-ए-वतन' के लिए चयन किया गया है। वनिता कोल्हो को उनकी अंग्रेजी में प्रकाशित कथा साहित्य 'डेड एज ए डोडो' के लिए चुना गया है। मधुरिमा घारफालिया (असमिया), प्रचेता गुप्त (बांग्ला), अजित बर (बोडो), शिव देव सुशील (डोगरी), नटवर पटेल (गुजराती), एचएस ब्याकोड (कन्नड), सैयद अख्तर हुसैन मंसूर (कश्मीरी), वी. कृष्ण वाध्यार (कोंकणी), सियाराम झा 'सारस' (मैथिली), नाउरेम विद्यासागर (मणिपुरी), आबा गोविंदा महाजन (मराठी), ध्रव चौहान (नेपाली), रामचंद्र नायक (उडिया), कर्नेल सिंह सोमल (पंजाबी), मंगत बादल (राजस्थानी), जोयराम टुडु (संथाली), साहिब बिजाणी (सिंधी), कन्नेगंटि अनुसूया (तेलुगू) शामिल हैं।

युवा पुरस्कार की भी घोषणा

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी ने आज 18 भाषाओं के लिए अपने वार्षिक युवा पुरस्कार 2020 की घोषणा की। इस बार घोषित युवा पुरस्कारों में 10 कविता के लिए, तीन कहानी के लिए, निबंध के लिए दो, संस्मरण की एक, आलोचना के लिए एक और यात्रा-वृत्तांत के लिए एक पुस्तक का चयन किया है। पुरस्कारों के लिए गठित चयन समिति ने इन नामों की अनुशंसा की थी, जिसे साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डा. चंद्रशेखर कंबार की अध्यक्षता में अकादमी की कार्यकारी मंडल ने स्वीकृति प्रदान की।

- सबसे ज्यादा पुरस्कार कविता के लिए

कविता विधा में जिन रचनाकारों को उनकी कृतियों के लिए पुरस्कार के लिए चुना गया है उनमें द्विजेन दास (असमिया), न्यूटन के. बसुमतारी (बोडो), गंगा शर्मा, (डोगरी), मसरूर मुजफ्फर (कश्मीरी), रामेश्वर शरूगबम (मणिपुरी), दीपक धालेवान (पंजाबी), अंजलि (संथाली), ऋषिराज पाठक (संस्कृत), शक्ति (तमिल) और साकिब फरीदी (उर्दू) शामिल हैं। कहानी के लिए के.एस महादेवस्वामी (कन्नड़), सोनू कुमार झा (मैथिली) और मानसा येन्दलुरी (तेलुगू)।

निबंध के लिए अंजन बासकोटा (नेपाली) और चन्द्रशेखर होता (उड़िया)। संस्मरण के लिए यशिका दत्त को अंग्रेजी के लिए, अंकित नरवाल को हिन्दी आलोचना के लिए, यात्रा वृत्तांत के लिए कंकलकार को कोंकणी के लिए चयन किया गया है। बंगाली, राजस्थानी, मलयालम, गुजराती, मराठी और सिंधी भाषाओं के लिए पुरस्कारों की घोषणा बाद मे की जाएगी। युवा पुरस्कार 35 वर्ष से कम उम्र के लेखकों को उनकी कृति के लिए दिया जाता है। पुरस्कार के तहत उत्कीर्ण ताम्रफलक तथा 50 हजार का चेक प्रदान किया जाता है।

अनामिका की रचनाएं स्कूली जीवन से ही पत्रिकाओं में होती रहीं प्रकाशित

शहर के रज्जू साह लेन में बीता गुड़िया का बचपन साहित्य अकादमी पुरस्कार पाकर बढ़ाया जिले का मान, शिक्षाविद् माता-पिता से प्रेरित होकर साहित्य से हुआ जुड़ाव

जास, मुजफ्फरपुर : ख्याति प्राप्त लेखक व साहित्य साधना से जुड़ीं साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित अनामिका (गुड़िया) का बचपन मुजफ्फरपुर में बीता है। वह शहर के रज्जू साह लेन निवासी प्रख्यात लेखक कवि और बिहार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सह हिंदी विभागाध्यक्ष श्यामनंदन किशोर और आशा किशोर की पुत्री हैं। माता-पिता से प्रेरित होकर साहित्य से जुड़ीं। स्कूली जीवन से ही उनकी रचनाएं कादंबिनी पत्रिका में छपती रही हैं। उन्होंने अंग्रेजी से स्नातक किया और पीजी-पीएचडी भी, लेकिन हिंदी साहित्य पर भी उनकी पकड़ है। साहित्य अकादमी के लिए चयनित होने की सूचना जब उनके मुजफ्फरपुर स्थित निवास पर रह रह समेर भाई अनिल कुमार झा और रत्न कुमार झा को हुई तो सभी प्रफुल्लित हो उठे। साहित्य जगत के प्रतिष्ठित पुरस्कार पर जिले की बिटिया का नाम लिखे जाने पर हिंदी के वर्तमान विभागाध्यक्ष डॉ.सतीश कुमार राय, डॉ. कल्याण कुमार झा, डॉ.रमेश गुप्ता समेत अन्य साहित्यकारों ने बधाई दी है। डॉ. सतीश कुमार राय ने कहा कि इससे पहले सूबे में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर और अरुण कमल को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिल चुका है। इस पुरस्कार के लिए अनामिका का चयन होने से साहित्य जगत आह्लादित है।

अनामिका ने स्त्री विमर्श को दी नई दिशा : अनामिका को साहित्य अकादमी पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को की गई। उनका जन्म 17 अगस्त 1961 को हुआ था। उनकी मां आशा किशोर भी 1986 से 1995 में हिंदी विभाग की अध्यक्ष और साहित्यकार रही हैं। अनामिका ने संत जेवियर्स स्कूल से प्रारंभिक व चैपमैन से हाईस्कूल की पढ़ाई की। एनएस कॉलेज से अंग्रेजी से स्नातक और उसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से पीजी व पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वहीं सुंदरवती महिला कॉलेज में अंग्रेजी की प्राध्यापक बनीं। हिंदी कविता, हिंदी उपन्यास और स्त्री विमर्श को नई दिशा दी। उनके चार उपन्यास, नौ कविता संग्रह और स्त्री विमर्श पर कई पुस्तकें प्रकाशित हैं।

स्त्री मुक्ति : साझा चूल्हा, खुरदुरी हथेलियां, दूब-धान, दस द्वार का पिंजरा, लालटेन बाजार, स्त्रीधनता का स्त्री पक्ष, पानी जो पत्थर पीता है, पानी को सब याद था, त्रिया चरित्र : उत्तर कांड समेत दर्जनों उनकी रचनाएं प्रख्यात हैं। अनामिका के भाई डॉ.अमिताभ रंजन महाराष्ट्र के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

रज्जू साह लेन स्थित अनामिका के घर पर (बाएं से) उनके ममेरे भाई अनिल कुमार झा और रत्न कुमार झा ● जागरण

बिटिया पर नाज, गौरव से उठाया साहित्य का सिर

मुजफ्फरपुर : सांस्कृतिक शहर मुजफ्फरपुर में जन्मीं व पली-बढ़ीं डॉ.अनामिका को साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित होने पर जिले के साहित्यकारों में हर्ष है। सांसद अजय निषाद ने कहा कि बिटिया को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिलना गौरव की बात है। आलोचक डॉ.रेवती रमण, प्राध्यापक डॉ.रमेश ऋतंभर, कवयित्री डॉ.पूनम सिंह, डॉ.अंजना वर्मा, रामेश्वर द्विवेदी, आलोचक राकेश बिहारी, पखुड़ी सिन्हा, श्रवण कुमार, डॉ.भावना, डॉ.आरती कुमारी, श्यामल श्रीवास्तव पंकज कर्ण आदि ने कहा कि डॉ.अनामिका पर उन्हें नाज है। अपनी विशिष्ट मेधा व सृजनात्मकता से शहर को इतना बड़ा सम्मान दिया है। बताया कि डॉ. अनामिका को पूर्व में कई प्रतिष्ठित साहित्य जैसे सम्मान भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार, गिरिजा कुमार माथुर सम्मान, केदार सम्मान, शमशेर सम्मान, मुक्तिबोध सम्मान, साहित्य सेतु सम्मान, बिहार राजभाषा विभाग सम्मान से विभूषित किया जा चुका है। प्रख्यात स्त्री विमर्शिका, कवयित्री एवं कथा लेखिका डॉ. अनामिका को भारतीय भाषाओं में दिया जाने वाले प्रतिष्ठित 'साहित्य अकादमी सम्मान' 2020 वर्ष का हिंदी भाषा में उनके चर्चित कविता संग्रह 'थेरी गाथा : टोकरी में दिगन्त' के लिए दिए जाने की घोषणा से शहर और सूबे के साहित्यकारों व संस्कृतिकर्मियों में खुशी की लहर है।

साहित्य अकादमी पुरस्कारों की सूची

जास, नई दिल्ली : वीरप्पा मोइली को कन्नड भाषा में उनके महाकाव्य श्री बाहुबली अहिंसादिग्विजयम के लिए चयनित किया गया है। अंग्रेजी में अरुंधति सुब्रह्मण्यम का चयन कविता संग्रह हेन गॉड इज ए ट्रैवलर के लिए हुआ है।

कविता संग्रह : गुजराती में हरीश मीनाश्रु को, कोंकणी में आरएस भास्कर, मणिपुरी में इरुंगबम देवेन, संथाली में रूपचंद हांसदा, तेलुगु में निखिलेश्वर को पुरस्कार दिया जाएगा।

उपन्यास : नंदा खरे मराठी, इम्माइयम (तमिल), ड. महेशचंद्र शर्मा गौतम (संस्कृत) को भी पुरस्कार मिलेगा।

कहानी संग्रह : असमिया में अपूर्व कुमार सैकिया, बोडो में धरणीधर औवारी (मरणोपरांत) और कश्मीरी में हृदय कौल भारती (मरणोपरांत), मैथिली के लिए कमलकांत झा एवं पंजाबी के लिए गुरदेव सिंह रूपाणा को पुरस्कार मिलेगा। **नाटक** : डोगरी में ज्ञान सिंह, सिंधी नाटक में जेठो लालवानी को पुरस्कार मिलेगा।

युवा पुरस्कारों में कविता की धूम: साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2020 में कविता की धूम रही है। कविता के लिए जिन रचनाकारों की कृतियों को चुना गया है। उसमें द्विजेन दास (असमिया), न्यूटन के. बसुमतारी (बोडो), गंगा शर्मा (डोगरी), मसरूर मुजफ्फर (कश्मीरी), रामेश्वरम शरुनगबम (मणिपुरी), दीपक बालेवान (पंजाबी) अजलि (संताली), ऋषिराज पाठक (संस्कृत), शक्ति (तमिल) और साकिब फारीदी (उर्दू) को चयनित किया गया है। इसी तरह कहानी में के.एस महादेव स्वामी (कन्नड़), सोनू कुमार झा (मैथिली) और मानसा येंदुलुरी (तेलुगु) का चयन हुआ है। निबंध में पुरस्कृत कथाकार अजन बासकोटा (नेपाली) व संस्मरण के लिए यशिका दत (अंग्रेजी), आलोचना के लिए अंकित नरवाल (हिंदी) यात्रा वृतांत के लिए संपदा कुकलकार (कोंकणी) का चयन हुआ है। अकादमी के अनुसार बंगाली, राजस्थानी, मलयालम, गुजराती, मराठी और सिंधी भाषाओं के लिए बाद में सूची जारी की जाएगी।

प्रो. हुसैन-उल-हक को उर्दू उपन्यास 'अमावस में ख्वाब' के लिए पुरस्कार

जास, गया : उर्दू के सुप्रसिद्ध साहित्यकार प्रोफेसर हुसैन-उल-हक को प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया है। गया के न्यू करीमगंज के रहने वाले प्रो. हक को यह सम्मान उनके उर्दू उपन्यास 'अमावस में ख्वाब' के लिए दिया गया है। शुक्रवार को साहित्य अकादमी ने विभिन्न भाषाओं की विशिष्ट रचनाओं के लिए 2020 के पुरस्कारों की घोषणा की है। उर्दू लेखन में यह उपलब्धि हासिल करने वाले प्रो हक गया के पहले व बिहार के पांचवे साहित्यकार हैं। प्रो हक का जन्म 2 नवम्बर 1949 को सासाराम जिले में हुआ था। बाद में इनका पूरा परिवार गया में बस गया। प्रो. हक की सूफीज्म में भी अच्छी पैठ है। वे मगध विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के लंबे समय तक अध्यक्ष व प्राक्टर रहे। 2014 में सेवानिवृत्त हुए प्रो हक के सात कहानी संग्रह और तीन उपन्यास प्रकाशित हो चुके है। इनका उर्दू साहित्य में विशिष्ट स्थान है। प्रो. हक का पहला उपन्यास बोलो 'मत चुप रहो' 1991 में प्रकाशित हुआ था। 2017 में उनका उपन्यास 'अमावस में ख्वाब' प्रकाशित हुआ। इसमें भारतीय समाज में तीन दशकों में आए बदलाव की कहानी है। इससे पहले हुसैन-उल- हक को बिहार अकादमी व बंगाल अकादमी के पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। प्रो हक 'गालिब अवार्ड' से भी सम्मानित किए जा चुके हैं।

हिंदी लेखन में भी डॉ. कमलकांत ने किया काम

जयनगर (मधुबनी), जास : वर्ष 2020 के मैथिली भाषा में साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कमलकांत झा के नाम की घोषणा हुई है। यह पुरस्कार उन्हें लघु कथा संग्रह 'गाछ रूसल अछि' के लिए प्रदान किया गया है। इस रचना में पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों के महत्व को दर्शाया गया है। मधुबनी के कलुआही प्रखंड स्थित हरिपुर डीह टोल में 29 मार्च 1943 को जन्मे डॉ. झा ने मैथिली के साथ ही हिंदी लेखन के क्षेत्र में भी काम किया है। पिता प. वीरेश्वर झा एवं माता तारा देवी ने बचपन में ही इनका साथ छोड़ दिया था। इस कारण इनकी प्रारंभिक शिक्षा ननिहाल लोहा गांव में हुई। 1962 से इन्होंने लेखन की यात्रा प्रारंभ की। इनकी पहली पुस्तक मैथिली नाटक 'घटकैती' 1965 में प्रकाशित हुई, जो काफी लोकप्रिय हुई। इससे इन्हें लेखन के क्षेत्र में आगे बढ़ने का हौसला मिला। अब तक मैथिली में इनकी 25 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें चार नाटक, दो कविता संग्रह, तीन कथा संग्रह, दो यात्रा संस्मरण एवं मैथिली लोकोक्ति पर तीन पुस्तकें शामिल हैं। मैथिली साहित्य जगत में इन्हें मैथिली मुहावरा एवं लोकोक्ति के विशेषज्ञ के रूप में भी जाना जाता है। डॉ. झा मैथिली के शिक्षक भी रहे हैं। 1965 में इन्होंने ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई बीबी कॉलेज, जयनगर में लेक्चरर के रूप में अपने शिक्षण यात्रा की शुरुआत की।

सरस के साहित्य में मानवीय भावनाओं से लेकर देशभक्ति

जास, मधुबनी : साहित्य अकादमी 2020 का बाल साहित्य पुरस्कार मैथिली भाषा के लिए साहित्यकार सियाराम झा 'सरस' को मिलेगा। यह पुरस्कार उनकी रचना 'सोनहुला इजोतवला खिड़की' के लिए प्रदान किया जाएगा। झंझारपुर प्रखंड के मेहथ गांव निवासी सियाराम का काव्य संग्रह वर्ष 2016 में हैदराबाद के क्रिएटिव प्रिंटर द्वारा प्रकाशित है। इसमें 70 गीत व कविताओं को जगह दी गई है। इसकी रचना में पांच वर्ष का समय लगा।

सियाराम झा सरस ● जागरण

'टोकरी में दिगंत-थेरी गाथा : 2014' ने दिलाया पुरस्कार

मुजफ्फरपुर : जानी-मानी कवयित्री और उपन्यासकार अनामिका को वर्ष 2020 का साहित्य अकादमी पुरस्कार दिए जाने पर जिले में हर्ष का माहौल है। खास बात यह है कि हिंदी काव्य संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार पाने वाली अनामिका पहली महिला साहित्यकार हैं।

अनामिका को यह पुरस्कार उनके चर्चित कविता संग्रह 'टोकरी में दिगंत-थेरी गाथा : 2014' के लिए दिया गया है जो राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित है। अनामिका ने बताया कि उनके इस कविता संग्रह में स्त्रियों का बुद्ध से अपने दुख-दर्द कहने का काल्पनिक संवाद है। बुद्ध में उन स्त्रियों को आदर्श पुरुष दिखता है और बुद्ध उनसे सखा भाव में बात करते हैं। राजकमल प्रकाशन के प्रबंध निदेशक अशोक महेश्वरी ने कहा कि यह दुर्लभ अवसर है जब हिन्दी कविता के स्त्री स्वर को पहली बार यह पुरस्कार दिया जा रहा है। कवि केदारनाथ सिंह ने कहा कि इस काव्य कृति में अनेक छोटे-छोटे दृश्य, प्रसंग और थेरियों के रूपक में लिपटी हुई सामान्य स्त्रियां आती हैं। बुद्ध अनेक कविताओं के केंद्र में हैं, जो बार-बार प्रश्नांकित भी होते हैं और एक रोशनी के रूप में स्वीकार्य भी। आज के स्त्री लेखन की सुपरिचित धारा से अलग यह एक नई कल्पनात्मक सृष्टि है, जो अपनी पंक्तियों को पाठक पर थोपने के बजाय उससे बोलती-बतियाती है। यह काव्य-कृति एक नई काव्य-भाषा की प्रस्तावना है, जो व्यंजना के कई बन्द पड़े दरवाजों को खोलती है और यह सब कुछ घटित होता है एक स्थानीय केंद्र के चारों ओर। नामवर सिंह का कहना है कि अनामिका के रचना लोक में जीते-जागते जानदार चित्र सामने आते हैं। स्त्री-मुक्ति के नए आयाम यहां खुलते हैं।

- काव्य-कृति एक नई काव्य-भाषा की प्रस्तावना है, जो व्यंजना के कई बंद पड़े दरवाजों को खोलती
- हिंदी काव्य संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार पाने वाली अनामिका पहली महिला साहित्यकार
- कविता संग्रह में स्त्रियों का बुद्ध से अपने दुख-दर्द कहने का है काल्पनिक संवाद

अनामिका की पुरस्कृत पुस्तक ● जागरण

अकादमी पुरस्कार

अनामिका

जानी-मानी कवयित्री और उपन्यासकार अनामिका को साल 2020 के लिए हिंदी का साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया है। अनामिका को यह पुरस्कार उनके चर्चित कविता संग्रह 'टोकरी में दिगन्त/थेरी गाथा : 2014' के लिए मिला है। बिहार में जन्मीं अनामिका दिल्ली यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी भाषा पढ़ाती हैं। अनामिका कहती हैं कि मेरे इस कविता-संग्रह में कस्बों, गांवों, ट्रेनों की, बसों की, पंचायत-घरों की स्त्रियों और विस्थापित स्त्रियों का बुद्ध से काल्पनिक संवाद है। ये स्त्रियां बुद्ध से अपने जीवन का दुख कहती हैं, यह मैंने कल्पना की है। यहां हम अनामिका की कुछ कविताओं के अंश पेश कर रहे हैं:

अनामिका

एक था राजा, एक थी रानी!
दोनों मर गए, खतम कहानी?
अरे नहीं, कहानी यहीं से शुरू होती है
अपने इस लोकतंत्र की
कि गई हुई चीजें कभी नहीं जातीं,
ओझल हो जाती हैं
गिरती दीवारों के पार कहीं।
धूल का दुपट्टा लपेटे
यों ही कहीं ऊँघ जाती हैं यादें
एक पूरी कौम की!

• • •

'शिकारी आएगा, जाल बिछाएगा,
दाना डालेगा, भूल से भी उसमें फंसना नहीं!'
ऋषि ने सिखाया था
जंगल के तोतों को
और तोते पूरे मन से
रटते हुए यह चेतावनी
फँस गए थे जाल में!
अब ये हुआ है कि गाता है महाजाल
सुन्दर चेतावनियाँ,
जैसे कि सिगरेट का डब्बा
नन्हे-नन्हे अक्षरों में समझाता है--
'सिगरेट पीना स्वास्थ्य की खातिर ठीक नहीं।'
'अहिंसा परमो धर्मः' गाती है बिल्ली,
अस्सी चूहे खाकर
हज को चली।

• • •

"जे आम्रपाली, क्यों तरुण लिच्छवी कुमारों के धुर से
धुर अपना टकराती है?"
"आर्यपुत्रो, क्योंकि भिक्खुसंघ के साथ
भगवान बुद्ध ने भात के लिए मेरा निमंत्रण किया है स्वीकार!"
"जे आम्रपाली!
सौ हजार ले और इस भात का निमंत्रण हमें दे!"
"आर्यपुत्रो, यदि तुम पूरा वैशाली गणराज्य भी दोगे,
मैं यह महान भात तुम्हें नहीं देनेवाली!"
मेरा यह उत्तर सुन लिच्छवी कुमार
चटकाने लगे उँगलियाँ :
'हाय, हम आम्रपाली से परास्त हुए तो अब चलो,
बुद्ध को जीतें!'
कोटिग्राम पहुँचे, की बुद्ध की प्रदक्षिणा,
उन्हें घर न्योता,
पर बुद्ध ने मान मेरा ही रखा
और कहा-'रह जाएगी करुणा, रह जाएगी मैत्री,
बाकी सब ढह जाएगा...'

(साभारः राजकमल प्रकाशन)

मोइली को मिलेगा साहित्य अकादमी पुरस्कार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- साहित्य अकादमी 2020 के पुरस्कारों की हुई घोषणा
- हिंदी कविता संग्रह के लिए अनामिका को चुना गया
- बाल साहित्य और युवा पुरस्कार के लिए भी हुई घोषणा

साहित्य अकादमी पुरस्कार-2020 के लिए नामों की घोषणा कर दी गई है। खास बात ये है कि इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एम. वीरप्पा मोइली को भी चयनित किया गया है। उन्हें कन्नड़ महाकाव्य के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। वहीं, हिंदी कविता संग्रह के लिए अनामिका को यह पुरस्कार दिया जाएगा। इसके साथ ही अकादमी ने युवा पुरस्कार व बाल साहित्य के लिए भी नामों की सूची जारी कर दी है।

अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने बयान जारी कर बताया कि 20 भाषाओं के लिए सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, दो नाटक, एक संस्मरण और एक महाकाव्य का चयन हुआ है। इसमें वीरप्पा मोइली को कन्नड़ भाषा में उनके महाकाव्य श्री बाहुबली अहिमसादिग्विजयम के लिए चयनित किया गया है।

वहीं, अनामिका का चयन टोकरी में दिगन्तः थेरीगाथा-2014 कविता संग्रह के लिए हुआ है। इसके अलावा कविता संग्रह गुजराती में हरीश मीनाश्रु को, कोंकणी में आरएस भास्कर, मणिपुरी में ईरुंगबम देवेन, संथाली में रूपचंद हांसदा, तेलुगु में निखिलेश्वर को पुरस्कार दिया जाएगा। अंग्रेजी में अरुंधति सुब्रह्मण्यम का चयन कविता संग्रह व्हेन गॉड इज ए ट्रैवलर के लिए हुआ है।

उर्दू में अमावस में ख्वाब उपन्यास के लिए हुसैन-उल-हक को चयनित किया गया है। उपन्यास के लिए नंदा खरे मराठी, इमाइयम (तमिल), डा. महेशचंद्र शर्मा गौतम (संस्कृत) को भी पुरस्कार मिलेगा। कहानी संग्रह के लिए असमिया में अपूर्व कुमार सैकिया, बोडो में धरणीधर औवारी (मरणोपरांत) और कश्मीरी में हृदय कौल भारती (मरणोपरांत), मैथिली के लिए कमलकांत झा एवं पंजाबी के लिए गुरदेव सिंह रूपाणा को पुरस्कार मिलेगा। नाटक के लिए डोगरी में ज्ञान सिंह, सिंधी नाटक में जेठो लालवानी को पुरस्कार मिलेगा।

युवा पुरस्कारों में कविता की धूम : साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2020 में कविता की धूम रही है। इसमें कविता की 10 पुस्तकों, कहानी की तीन, निबंधों की दो, संस्मरण की एक, आलोचना व यात्रा वृतांत की एक-एक रचना को साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

कविता के लिए जिन रचनाकारों की कृतियों को चुना गया है। उसमें द्विजेन दास (असमिया), न्यूटन के. बसुमतारी (बोडो), गंगा शर्मा (डोगरी), मसरूर मुजफ्फर (कश्मीरी), रामेश्वरम शरुंगबम (मणिपुरी), दीपक धालेवान (पंजाबी) अंजलि (संताली) , ऋषिराज पाठक (संस्कृत), शक्ति (तमिल) और साकिब फरीदी (उर्दू) को चयनित किया गया है।

इसी तरह कहानी में केएस महादेव स्वामी (कन्नड़), सोनू कुमार झा (मैथिली) और मानसा येंद्रुलुरी (तेलुगु) का चयन हुआ है। निबंध में पुरस्कृत कथाकार अंजन बासकोटा (नेपाली) व संस्मरण के लिए यशिका दत्त (अंग्रेजी), आलोचना के लिए अंकित नरवाल (हिंदी) यात्रा वृतांत के लिए संपदा कुंकलकार (कोंकणी) का चयन हुआ है। अकादमी के अनुसार बंगाली, राजस्थानी, मलयालम, गुजराती, मराठी और सिंधी भाषाओं के लिए बाद में सूची जारी की जाएगी।

मैथिली में कमलकांत झा को साहित्य अकादमी पुरस्कार दिए जाने की घोषणा से साहित्यकारों में हर्ष ,साहित्यकारों, कवियों एवं साहित्य प्रेमियों ने दी बधाई

सोनभद्र संवाददाता, झंझारपुर।

मैथिली भाषा साहित्य का वर्ष 2021 का मूल पुरस्कार कथा संग्रह 'रुसल अछि गाछ' के रचनाकार 80 वर्षीय कमलाकांत झा को दिए जाने की घोषणा पर अनुमंडल के साहित्यकारों ने हर्ष व्यक्त किया है । मधुबनी के हरिपुर गांव में जन्मे कथाकार कमलाकांत झा वर्तमान में जयनगर में रह रहे हैं । मैथिली भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा किये जाने पर उदगार व्यक्त करते हुए साहित्यकार डॉ संजीव शमा ने कहा कि कमलकांत झा की पहली किताब 1965 में नाटक घटकैती के रूप में आई थी। जो अपने समय में काफी चर्चित हुआ था । कई वर्षों तक इलाके के दर्जनों गांवों में नाटक घटकैती का मंचन होता रहा । डॉ शमा ने बताया कि अब तक कथाकार प्रो झा की 22 किताबें आ चुकी हैं। जिसमें मैथिली लोकोक्ति उद्भव और विकास उनकी महत्वपूर्ण किताब है। कमलाकांत झा ने कई निबंध, कविताएं और नाटक की रचना की है । मैथिली

भाषा आंदोलन में शुरूआती समय से ही प्रो झा एक्टिव रहे। छात्र जीवन में ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े आज भी जिला संघचालक का दायित्व निर्वहन कर रहे हैं । उन्होंने बताया कि संघ के प्रचार के लिए प्रो झा जहां-जहां गए वहां-वहां मैथिली का प्रचार-प्रसार भी किया। मधुबनी के जयनगर में डीबी कॉलेज में मैथिली के प्रोफेसर रहे और वहीं से सेवानिवृत्त होने के बाद जयनगर में ही साहित्य साधना में लगे हैं । बताते चलें कि प्रो झा हरिपुर गांव की निवास हैं इसी गांव के कथाकार उपेन्द्रनाथ झा व्यास को आज से 50 साल पहले साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यानी इस गांव में कमलाकांत झा ऐसे दूसरे लेखक हैं जिन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिलने का गौरव हासिल हुआ है ।मैथिली में बाल साहित्य के लिए अकादमी पुरस्कार सियाराम झा सरस को उनके 'सोनहुला इजोत वाला खिड़की' के लिए एवं मैथिली में युवा साहित्य अकादमी पुरस्कार सोनू कुमार झा को उनके कहानी संग्रह ह्यगस्सा' के लिए देने की घोषणा की गई है। जिलावासी को साहित्य अकादमी पुरस्कार दिए जाने की घोषणा पर अनुमंडल क्षेत्र के साहित्यकारों में कुमार साहब, अमरनाथ झा कक्काजी, डॉ अनिल ठाकुर, डॉ संजीव शमा, अजय कुमार दास, सत्येंद्र कर्ण, जगदीश प्रसाद मंडल, डॉ नरेश झा, अमरकांत लाल, काशीनाथ झा किरण, प्रो शुभ कुमार वर्णवाल, मलय नाथ मिश्र, हरिदेव झा, कपिलेश्वर राउत, आनंद कुमार झा, डॉ दीपक कुमार सिंह, प्रो सुरेन्द्र भारद्वाज, डॉ कन्हैया झा, समीर कुमार दास, अनुप कश्यप, भागीरथ दास आदि ने बधाई व शुभकामनाएं दी है । इससे पहले बिहार की मशहूर साहित्यकार अनामिका को उनकी हिंदी कविता संग्रह ह्यटोकरी में दिगन्त : थेरीगाथा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।हिंदी में कविता संग्रह के लिए पुरस्कार पाने वाली देश की पहली महिला साहित्यकार बनीं बिहार की अनामिका

साहित्य अकादमी ने की पुरस्कारों की घोषणा

नई दिल्ली| साहित्य अकादमी ने 2020 के लिए युवा पुरस्कारों और बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा शुक्रवार को की। युवा पुरस्कारों की श्रेणी में हिंदी में अंकित नारवाल को आलोचना के लिए, जबकि बाल साहित्य की श्रेणी में कविता के लिए बाल स्वरूप राही को पुरस्कृत किया जाएगा।

थेरीगाथा के लिए अनामिका को मिलेगा साहित्य अकादमी अवॉर्ड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

साहित्य अकादमी ने हिंदी में कविता संग्रह के लिए अनामिका और कन्नड़ में महाकाव्य लिखने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोइली को वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की शुक्रवार को घोषणा की। साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने बताया कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

मोइली को महाकाव्य के लिए पुरस्कार

वीरप्पा मोइली को उनके महाकाव्य 'श्री बाहुलबली अहिमसादिग्विजयम' के लिए वर्ष 2020 का साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। अंग्रेजी में अरुंधति सुब्रह्मण्यम को कविता संग्रह 'व्हेन गॉड इज ए ट्रैवलर' के लिए जबकि उर्दू में हुसैन-उल-हक को उनके उपन्यास 'अमावस में ख्वाब' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

थेरीगाथा के लिए...

अकादमी ने 20 भाषाओं के लिए अपने वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की है। राव ने बताया हिंदी में 'टोकरी में दिगन्त: थेरीगाथा:2014' कविता संग्रह के लिए अनामिका को पुरस्कृत किया जाएगा। हिंदी में कविता संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार पाने वाली ये देश की पहली महिला साहित्यकार हैं। अकादमी ने पुरस्कार देने के लिए सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, दो नाटक, एक-एक संस्मरण और महाकाव्य चयन किया। पुरस्कार 1 जनवरी 2014 से 31 दिसंबर 2018 के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों पर दिया गया है। पुरस्कार विजेता को पुरस्कार स्वरूप एक ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपए प्रदान किए जाएंगे।

वीरप्पा मोइली और अनामिका को साहित्य अकादेमी पुरस्कार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 मार्च।

साहित्य अकादेमी ने हिंदी में कविता संग्रह के लिए अनामिका और कन्नड़ में महाकाव्य लिखने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोइली को वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादेमी पुरस्कार देने की शुक्रवार को घोषणा की।

अकादेमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने एक विज्ञप्ति में बताया कि 20 भाषाओं के लिए अपने वार्षिक साहित्य अकादेमी पुरस्कारों की घोषणा की है। पुरस्कार देने के लिए सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, दो नाटक, एक संस्मरण और एक महाकाव्य का चयन किया है।

वीरप्पा मोइली को उनके महाकाव्य 'श्री बाहुलबली अहिमसादिग्विजयम' के लिए वर्ष 2020 का साहित्य अकादेमी पुरस्कार दिया जाएगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोइली कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। वह एक साहित्यकार भी हैं और उन्होंने कन्नड़ भाषा में कई उपन्यास लिखे हैं। उन्हें 2007 में मूर्तिदेवी और 2014 में सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। हिंदी में 'टोकरी में दिगन्तः थेरीगाथाः2014' कविता संग्रह के लिए अनामिका को पुरस्कृत किया जाएगा। अंग्रेजी में अरुंधति सुब्रह्मण्यम को कविता संग्रह 'व्हेन गॉड इज ए ट्रैवलर' के लिए जबकि उर्दू में हुसैन-उल-हक को उनके उपन्यास 'अमावस में ख्वाब' के लिए सम्मानित किया जाएगा।

राव ने बताया कि कविता-संग्रह के लिए हरीश मीनाश्रु (गुजराती), आरएस भास्कर (कोंकणी), ईरुंगबम देवेन (मणिपुरी), रूपचंद हांसदा (संथाली) एवं निखिलेश्वर (तेलुगु) को पुरस्कृत किया जाएगा। तिथि अभी तय नहीं हैं। वहीं, मलयालम, नेपाली, ओड़िया और राजस्थानी भाषाओं में पुरस्कार बाद में घोषित किए जाएंगे।

हिंदी-अनामिका और कन्नड़-वीरप्पा मोइली को मिलेगा साहित्य अकादमी पुरस्कार

नयी दिल्ली, (भाषा)। साहित्य अकादमी ने हिंदी में कविता संग्रह के लिए अनामिका और कन्नड़ में महाकाव्य लिखने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोइली को वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की शुक्रवार को घोषणा की। साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने एक विज्ञप्ति में बताया कि अकादमी ने 20 भाषाओं के लिए अपने वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की है। अकादमी ने पुरस्कार देने के लिए सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, दो नाटक, एक संस्मरण और एक महाकाव्य का चयन किया है।

उन्होंने बताया कि वीरप्पा मोइली को उनके महाकाव्य श्री बाहुबली अहिमसादिग्विजयम के लिए वर्ष 2020 का साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोइली कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। वह एक साहित्यकार भी हैं और उन्होंने कन्नड़ भाषा में कई उपन्यास लिखे हैं। उन्हें 2007 में मूर्तिदेवी और 2014 में सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। राव ने बताया कि हिंदी में टोकरी में दिगन्तः थेरीगाथा:2014 कविता संग्रह के लिए अनामिका को पुरस्कृत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि अंग्रेजी में अरुंधति सुब्रह्मण्यम को कविता संग्रह व्हेन गॉड इज ए ट्रैवलर के लिए जबकि उर्दू में हुसैन-उल-हक को उनके उपन्यास अमावस में ख्वाब के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

प्रतिशिष्ठ

साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने एक विज्ञप्ति में बताया कि अकादमी ने 20 भाषाओं के लिए अपने वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की है।

NAVODAYA TIMES
नवोदय टाइम्स

साहित्य अकादमी ने 20 भाषाओं में अकादमी पुरस्कार 2020 की घोषणा की

अनामिका-अरुंधति को मिलेगा साहित्य अकादमी पुरस्कार 2020

हिंदी के लिए अनामिका व अंग्रेजी के लिए अरुंधति को चुना गया

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवोदय टाइम्स): साहित्य अकादमी ने हिंदी में कविता संग्रह के लिए **अनामिका** और अंग्रेजी में कविता लिखने के लिए **अरुंधति सुब्रमण्यम** को वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा की है। साहित्य अकादमी सचिव के श्रीनिवास राव ने अकादमी पुरस्कारों की घोषणा के दौरान बताया कि अकादमी ने पुरस्कार के लिए सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, दो नाटक, एक संस्मरण और एक महाकाव्य समेत 20 भाषाओं में अपने वार्षिक पुरस्कार देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता व कर्नाटक से पूर्व मुख्यमंत्री **वीरप्पा मोइली** को उनके महाकाव्य श्री बाहुबली अहिमसादिग्विजयम के लिए कन्नड़ भाषा में अकादमी पुरस्कार 2020 के लिए चुना गया है। हिंदी में 'टोकरी में दिगन्त: थेरीगाथा:2014' कविता संग्रह के लिए अनामिका, अंग्रेजी में 'व्हेन गॉड इज ए ट्रैवलर' कविता संग्रह के लिए अरुंधति सुब्रह्मण्यम, उर्दू में **हुसैन-उल-हक** को उनके उपन्यास 'अमावस में ख्वाब' के लिए व पंजाबी में **गुरदेव सिंह** रूपाणा को उनकी कहानी आम

वीरप्पा मोइली

अरुंधति

अनामिका

हुसैन-उल-हक

गुरदेव सिंह

खास के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। साहित्य पुरस्कार पाने वालों में गुजराती के लिए हरीश मीनाश्रु, कोंकणी के लिए आर एस भास्कर, मणिपुरी के लिए ईरुंगबम देवेन, संथाली में रूपचंद हांसदा, तेलगू में निखिलेश्वर को चुना गया है। अकादमी सचिव ने बताया कि मराठी उपन्यास के लिए नंदा खरे, संस्कृत में डॉ. महेशचन्द्र शर्मा गौतम, तमिल में इमाइयम को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कहानी-संग्रहों के लिए अपूर्व कुमार सैकिया (दिवंगत)-असमिया, धरणीधर औवारी (दिवंगत)-बोडो, हृदय कौल भारती-कश्मीरी, कमलकान्त झा-मैथिली के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं नाटक के लिए ज्ञान सिंह-डोगरी एवं जेठो लालवानी-सिंधी को नाटक के लिए और संस्मरण के लिए मणिशंकर मुखोपाध्याय-बांग्ला भाषा के लिए पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है। उन्होंने बताया कि मलयालम, नेपाली, ओड़िया और राजस्थानी भाषाओं में पुरस्कार बाद में घोषित किए जाएंगे। सचिव ने बताया कि इन पुस्तकों को संबंधित भाषा के त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन-प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार के लिए चुना है। पुरस्कारों की अनुशंसा 20 भारतीय भाषाओं की निर्णायक समितियों द्वारा की गई। पुरस्कार एक जनवरी 2014 से 31 दिसम्बर 2018 के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों के लिए देने का ऐलान किया गया है। राव ने बताया कि पुरस्कार विजेताओं को किसी आगामी तिथि में पुरस्कार स्वरूप एक उत्कीर्ण ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपए की राशि दी जाएगी।

18 भाषाओं में दिए जाएंगे साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवोदय टाइम्स) : साहित्य अकादमी ने वर्ष 2020 के लिए युवा पुरस्कारों और बाल साहित्य पुरस्कारों की भी घोषणा शुक्रवार को कर दी है। युवा पुरस्कारों की श्रेणी में हिंदी में अंकित नारवाल को आलोचना के लिए जबकि बाल साहित्य की श्रेणी में कविता के लिए बाल स्वरूप राही को पुरस्कृत किया जाएगा। अकादमी सचिव के श्रीनिवास राव ने कहा कि साहित्य अकादमी ने 18 भाषाओं में अपने वार्षिक युवा पुरस्कार 2020 की घोषणा की है। कविता की 10 पुस्तकों, कहानी की तीन पुस्तकों, निबंध की दो पुस्तकों, संस्मरण की एक पुस्तक, आलोचना की एक पुस्तक और एक यात्रा वृत्तांत के लिए युवा साहित्यकारों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कविता विधा में द्विजेन (असमिया), न्यूटन (बोडो), गंगा शर्मा (डोगरी) मसरूर (कश्मीरी), रामेश्वर (मणिपुरी), दीपक (पंजाबी), अंजलि (संथाली), ऋषिराज पाठक (संस्कृत), शक्ति (तमिल) और साक़िब फरीदी (उर्दू) को युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कहानी विधा में केएस महादेव स्वामी (कन्नड़), सोनू कुमार झा (मैथिली) और मानसा येन्दलुरी (तेलुगु) व निबंध विधा में अंजन (नेपाली), चन्द्रशेखर (ओड़िया) तथा संस्मरण के लिए यशिका दत्त (अंग्रेजी) को पुरस्कृत किया जाएगा। यात्रा वृत्तांत के लिए संपदा कुंकलकार (कोंकणी) का पुरस्कार के लिए चयन किया गया। बंगाली, राजस्थानी, मलयालम, गुजराती, मराठी और सिंधी भाषाओं के लिए युवा पुरस्कारों की घोषणा जल्द की जाएगी।

अनामिका और वीरप्पा मोइली को मिलेगा साहित्य अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसी): साहित्य अकादमी ने हिंदी में कविता संग्रह के लिए अनामिका और कन्नड़ में महाकाव्य लिखने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोइली को वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की शुक्रवार को घोषणा की। साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने बताया कि अकादमी ने 20 भाषाओं के लिए अपने वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की है। अकादमी ने पुरस्कार देने के लिए सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, दो नाटक, एक संस्मरण और एक महाकाव्य का चयन किया है।

उन्होंने बताया कि वीरप्पा मोइली को उनके महाकाव्य 'श्री बाहुबली अहिमसादिग्विजयम' के लिए वर्ष 2020 का साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोइली कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। वह एक साहित्यकार भी हैं और उन्होंने कन्नड़

भाषा में कई उपन्यास लिखे हैं। उन्हें 2007 में मूर्तिदेवी और 2014 में सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। राव ने बताया कि हिंदी में 'टोकरी में दिगन्त: थेरीगाथा:2014' कविता संग्रह के लिए अनामिका को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी में अरुंधति सुब्रह्मण्यम को कविता संग्रह 'व्हेन गॉड इज़ ए ट्रैवलर' के लिए जबकि उर्दू में हुसैन-उल-हक को उनके उपन्यास 'अमावस में ख्वाब' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। राव ने बताया कि हिंदी और अंग्रेजी के अलावा कविता-संग्रह के लिए हरीश मीनाश्रु (गुजराती), आर.एस. भास्कर (कोंकणी), ईरेंगबम देवेन (मणिपुरी), रूपचंद हांसदा (संथाली) एवं निखिलेश्वर (तेलुगु) को पुरस्कृत किया जाएगा। सचिव ने बताया कि उपन्यास के लिए नंदा खरे (मराठी), डॉ. महेशचन्द्र शर्मा गौतम (संस्कृत), इमाइयम (तमिल) को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कहानी-संग्रहों के लिए अपूर्व कुमार सैकिया (असमिया), (दिवंगत) धरणीधर औवारी (बोडो), (दिवंगत) हृदय कौल भारती (कश्मीरी), कमलकान्त झा (मैथिली) एवं गुरदेव सिंह रूपाणा (पंजाबी) को पुरस्कृत किया जाएगा। राव ने बताया कि ज्ञान सिंह (डोगरी) एवं जेठो लालवानी (सिंधी) को नाटक के लिए और शंकर (मणिशंकर मुखोपाध्याय) (बांग्ला) को संस्मरण के लिए पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

हिंदी के लिए अनामिका और कन्नड़ के लिए वीरप्पा मोइली को मिलेगा साहित्य अकादमी पुरस्कार

भाषा। नई दिल्ली

साहित्य अकादमी ने हिंदी में कविता संग्रह के लिए अनामिका और कन्नड़ में महाकाव्य लिखने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोइली को वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की शुक्रवार को घोषणा की। साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने एक विज्ञप्ति में बताया कि अकादमी ने 20 भाषाओं के लिए अपने वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की है। अकादमी ने पुरस्कार देने के लिए सात कविता-संग्रह, चार उपन्यास, पांच कहानी-संग्रह, दो नाटक, एक संस्मरण और एक महाकाव्य का चयन किया है। उन्होंने बताया कि वीरप्पा मोइली को उनके महाकाव्य श्री बाहुबली अहिमसादिग्विजयम के लिए वर्ष 2020 का साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोइली कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। वह एक साहित्यकार भी हैं और उन्होंने कन्नड़ भाषा में कई उपन्यास लिखे हैं। उन्हें 2007 में मूर्तिदेवी और 2014 में सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। राव ने बताया कि हिंदी में टोकरी में दिगन्त: थेरीगाथा:2014 कविता संग्रह के लिए अनामिका को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी में अरुंधति सुब्रह्मण्यम को कविता संग्रह व्हेन गॉड इज़ ए ट्रैवलर के लिए जबकि उर्दू में हुसैन-उल-हक को उनके उपन्यास अमावस में ख्वाब के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। राव ने बताया कि हिंदी और अंग्रेजी के अलावा कविता-संग्रह के लिए हरीश मीनाश्रु (गुजराती), आर.एस. भास्कर (कोंकणी), ईरुंगबम देवेन (मणिपुरी),रूपचंद हांसदा (संथाली) एवं निखिलेश्वर (तेलुगु) को पुरस्कृत किया जाएगा। सचिव ने बताया कि उपन्यास के लिए नंदा खरे (मराठी), डॉ. महेशचन्द्र शर्मा गौतम (संस्कृत), इमाइयम (तमिल) को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कहानी-संग्रहों के लिए अपूर्व कुमार सैकिया (असमिया), (दिवंगत) धरणीधर औवारी (बोडो), (दिवंगत) हृदय कौल भारती (कश्मीरी), कमलकान्त झा (मैथिली) एवं गुरदेव सिंह रूपाणा (पंजाबी) को पुरस्कृत किया जाएगा। राव ने बताया कि ज्ञान सिंह (डोगरी) एवं जेठो लालवानी (सिंधी) को नाटक के लिए और शंकर (मणिशंकर मुखोपाध्याय) (बांग्ला) को संस्मरण के लिए पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।उन्होंने बताया कि मलयालम, नेपाली, ओड़िया और राजस्थानी भाषाओं में पुरस्कार बाद में घोषित किए जाएंगे। सचिव ने बताया कि इन पुस्तकों को संबंधित भाषा के त्रिसदस्ईय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन-प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार के लिए चुना है।

कवयित्री अनामिका को मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी):हिन्दी की जानी-मानी कवयित्री अनामिका को साहित्य अकादमी पुरस्कार 2020 मिला है। शुक्रवार को साहित्य अकादमी ने 20 भाषाओं में अपने वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कार की घोषणा की है। पुरस्कारों की अनुशंसा 20 भारतीय भाषाओं की निर्णायक समितियों द्वारा की गई तथा साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर कंबार की अध्यक्षता में आयोजित अकादेमी के कार्यकारी मंडल की बैठक में किया गया। सात कविता-संग्रहों के लिए इन्हें पुरस्कार मिला है। अरुंधति सुब्रमण्यम (अंग्रेजी), हरीश मीनाश्रु (गुजराती), आर.एस. भास्कर (कोंकणी), ईरुंगबम देवेन (मणिपुरी), रूपचंद हांसदा (संताली) एवं निखिलेश्वर (तेलुगु)। चार उपन्यासों के लिए नंदा खरे (मराठी), डॉ. महेशचन्द्र शर्मा गौतम (संस्कृत), इमाइयम (तमिळ) एवं हुसैन-उल-हक़। पांच कहानी-संग्रहों के लिए कमलकान्त झा (मैथिली) को पुरस्कार के लिए चुना गया।

साहित्य अकादेमी द्वारा साहित्य अकादेमी पुरस्कार, बाल साहित्य पुरस्कार एवं युवा पुस्कार की घोषणा

नंदा खरे यांच्या 'उद्या' कादंबरीला साहित्य अकादमी
https://www.loksatta.com/desh-videsh-news/sahitya-akademi-for-nanda-khare-novel-udya-abn-97-2419920/

नंदा खरे यांच्या 'उद्या' कादंबरीला साहित्य अकादमी पुरस्कार जाहीर
साहित्य अकादमी पुरस्कार - २०२० ची घोषणा
लोकसत्ता ऑनलाइन | March 12, 2021 06:19 pm
https://www.loksatta.com/maharashtra-news/sahitya-akademi-award-2020-announced-msr-87-2419663/

साहित्य अकादमी पुरुस्कार 2020 की घोषणा, 20 भाषाओं में इन लेखकों को दिया गया सम्मान
By Kapil Tiwari
| Updated: Friday, March 12, 2021, 18:16 [IST]
https://hindi.oneindia.com/news/india/sahitya-akademi-award-2020-will-be-announced-in-20-languages-607910.html

बिहार की अनामिका को हिंदी तो कमलकांत को मैथिली के साहित्य अकादमी अवार्ड, जानिए क्यों याद आ गए दिन कर
https://www.jagran.com/bihar/patna-city-anamika-of-bihar-gets-sahitya-akademi-award-for-hindi-while-kamalkant-for-maithili-know-why-dinkar-comes-in-mind-21456336.html

बिहार की अनामिका को हिंदी तो कमलकांत को मैथिली के साहित्य अकादमी अवार्ड, जानिए क्यों याद आ गए दिन कर
https://www.jagran.com/bihar/patna-city-anamika-of-bihar-gets-sahitya-akademi-award-for-hindi-while-kamalkant-for-maithili-know-why-dinkar-comes-in-mind-21456336.html

साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार, 2020 में कविता विधा की रही धूम
चयन समिति में शामिल 18 भारतीय भाषाओं के साहित्यकारों ने साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर कंबार की अध्यक्षता में इन पुरस्कारों की घोषणा की.
https://www.aajtak.in/literature/poems/story/sahitya-academy-youth-award-declared-2020-tlif-1221164-2021-03-12

sahitya akademi award 2020

: साहित्य अकादमी ने युवा पुरस्कारों और बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा की

https://navbharattimes.indiatimes.com/india/sahitya-academy-announces-youth-awards-and-childrens-literature-awards/articleshow/81470225.cms

हिन्दी की जानी-मानी कवयित्री अनामिका को मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार

https://www.aajtak.in/literature/poems/story/sahitya-academy-award-2020-announced-hindi-poet-anamika-gets-award-tlif-1221158-2021-03-12

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2020: ज्ञान सिंह, शिव देव सुशील, हृदय कौल भारती को साहित्य अकादमी पुरस्कार

https://www.jagran.com/jammu-and-kashmir/jammu-sahitya-akademi-award-2020-to-gyan-singh-shiv-dev-sushil-and-hriday-koul-bharti-21458244.html

Sahitya Academy Youth Award 2020

: साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार की घोषणा, विजेताओं में मधुबनी के सोनू कुमार झा भी शामिल, देखे पूरी सूची

https://www.prabhatkhabar.com/national/sahitya-academy-youth-award-2020-sahitya-akademi-announces-winners-of-yuva-sahitya-puraskar-maithili-story-writer-sonu-kumar-jha-also-in-list-smb

डॉ. कमल कांत झा को उनकी कृति 'गाछ रुसल अछि के लिए मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार

https://www.livehindustan.com/bihar/madhubani/story-dr-kamal-kant-jha-received-sahitya-akademi-award-for-his-work-39-gach-rusal-achhi-39-3908994.html

मुक्तसर के लेखक गुरदेव सिंह रुपाना को पंजाबी लघुकथा 'आम खास' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार

https://www.jagran.com/punjab/jalandhar-city-punjab-writer-gurdev-singh-rupana-get-sahitya-academy-award-21455816.html

मैं झुकूंगा गोद में बच्चा उठाने के लिए: बाल स्वरूप राही

https://www.jagran.com/haryana/gurgaon-bal-swaroop-rahi-sahitya-academy-21456404.html

ओडिशा के तीन साहित्यकारों को अकादमी पुरस्कार

https://www.jagran.com/odisha/rourkela-litrautur-award-21457874.html

रूपंचद हांसदा को कविता संग्रह 'गुड दा: कासा दा: के लिए मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार

https://www.jagran.com/jharkhand/ranchi-rupchand-hansda-honoured-sahitya-akadami-for-his-poetry-book-gud-da-kasa-da-21456276.html